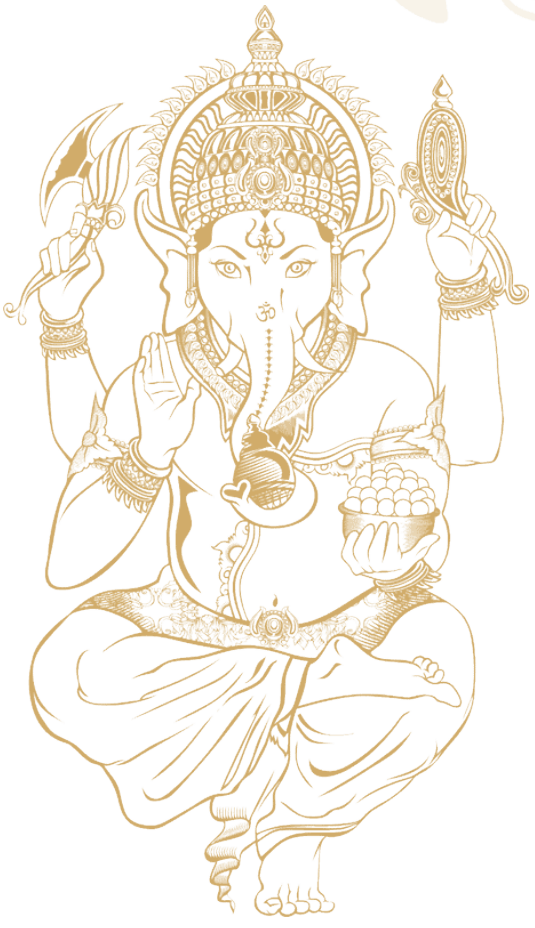

Akshat

17 Nov 1995

07:13 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121320205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/11/1995**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:13:00 घंटे**
इष्ट	01:03:31 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:15:10 घंटे
साम्पातिक काल	10:28:57 घंटे
सूर्योदय	06:47:35 घंटे
सूर्यास्त	17:35:26 घंटे
दिनमान	10:47:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:25:24 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:04:56 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	05:04:56	309:46:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	00:25:24	01:00:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	18:34:56	12:42:56	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	26:03:11	00:44:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध		अ	तुला	26:50:46	01:36:10	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	25:34:08	00:12:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	23:09:55	01:14:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
शनि	व		कुंभ	24:12:52	00:00:30	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			तुला	02:23:22	00:01:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु			मेष	02:23:22	00:01:35	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:26:45	00:02:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:28:40	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:26:45	00:02:23	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			सिंह	11:37:29	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:04

लग्न-चलित

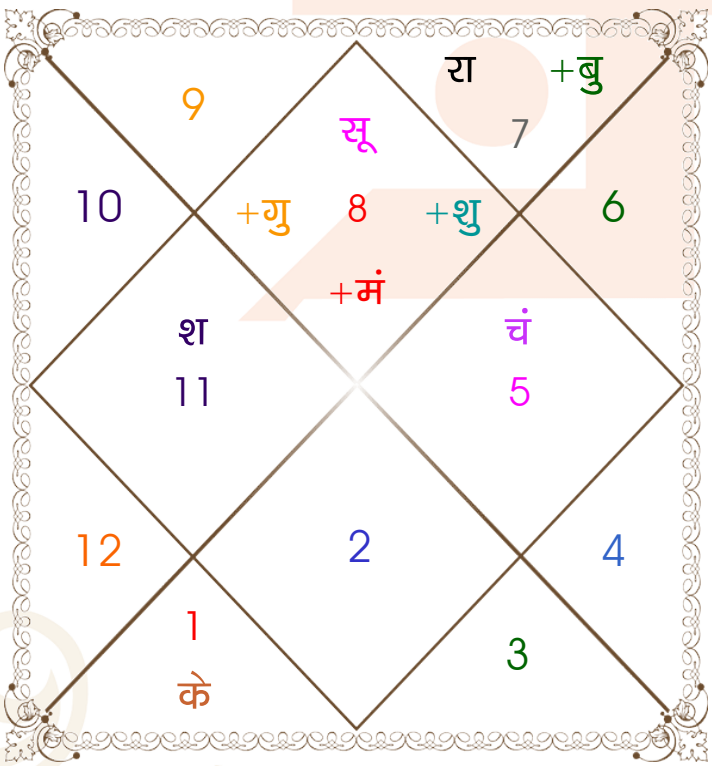

चन्द्र कुंडली

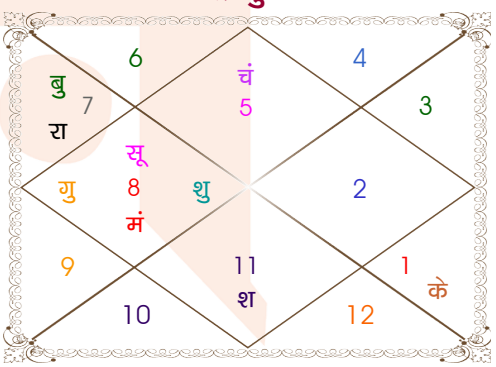

नवमांश कुंडली

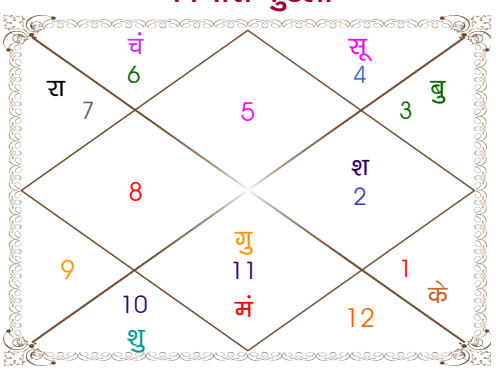

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 1 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/11/1995		02/01/2008		02/01/2014		02/01/2024		02/01/2031	
02/01/2008		02/01/2014		02/01/2024		02/01/2031		01/01/2049	
	00/00/0000	सूर्य	21/04/2008	चंद्र	02/11/2014	मंगल	30/05/2024	राहु	14/09/2033
	00/00/0000	चंद्र	20/10/2008	मंगल	03/06/2015	राहु	18/06/2025	गुरु	08/02/2036
	00/00/0000	मंगल	25/02/2009	राहु	02/12/2016	गुरु	25/05/2026	शनि	15/12/2038
	17/11/1995	राहु	20/01/2010	गुरु	03/04/2018	शनि	03/07/2027	बुध	03/07/2041
राहु	03/03/1998	गुरु	08/11/2010	शनि	02/11/2019	बुध	30/06/2028	केतु	21/07/2042
गुरु	01/11/2000	शनि	21/10/2011	बुध	03/04/2021	केतु	26/11/2028	शुक्र	21/07/2045
शनि	02/01/2004	बुध	27/08/2012	केतु	02/11/2021	शुक्र	26/01/2030	सूर्य	15/06/2046
बुध	02/11/2006	केतु	01/01/2013	शुक्र	03/07/2023	सूर्य	03/06/2030	चंद्र	15/12/2047
केतु	02/01/2008	शुक्र	02/01/2014	सूर्य	02/01/2024	चंद्र	02/01/2031	मंगल	01/01/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/01/2049		01/01/2065		02/01/2084		02/01/2101		03/01/2108	
01/01/2065		02/01/2084		02/01/2101		03/01/2108		00/00/0000	
गुरु	20/02/2051	शनि	05/01/2068	बुध	31/05/2086	केतु	31/05/2101	शुक्र	05/05/2111
शनि	02/09/2053	बुध	14/09/2070	केतु	28/05/2087	शुक्र	01/08/2102	सूर्य	04/05/2112
बुध	09/12/2055	केतु	24/10/2071	शुक्र	28/03/2090	सूर्य	06/12/2102	चंद्र	03/01/2114
केतु	14/11/2056	शुक्र	24/12/2074	सूर्य	01/02/2091	चंद्र	08/07/2103	मंगल	05/03/2115
शुक्र	16/07/2059	सूर्य	06/12/2075	चंद्र	03/07/2092	मंगल	04/12/2103	राहु	18/11/2115
सूर्य	03/05/2060	चंद्र	06/07/2077	मंगल	30/06/2093	राहु	21/12/2104		00/00/0000
चंद्र	02/09/2061	मंगल	15/08/2078	राहु	17/01/2096	गुरु	27/11/2105		00/00/0000
मंगल	09/08/2062	राहु	21/06/2081	गुरु	24/04/2098	शनि	06/01/2107		00/00/0000
राहु	01/01/2065	गुरु	02/01/2084	शनि	02/01/2101	बुध	03/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 0 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण मे वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगे और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगे।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि के स्वस्थ प्राणी होंगे। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगे तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगे। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ठ धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगे। आप अपने खेल के पत्ते को उसके लिए बंद कर देते हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेते हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरूह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगते हैं; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देते। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेते हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि के प्राणी है। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देते हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेते हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देते हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है। आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पत्नी के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगे। आपके लिए आदर्श जीवन संगिनी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जन्म राशि वृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा वृष राशि हो। आप अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगे।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्व्यल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिंद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगे। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगा।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहरणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।